पद्म पुरस्कार के लिए प्रपत्र

1.	नामः (क) प्रथम नाम (ख) अंतिम नाम	
2.	लिंग (पुरूष/महिला)	
3.	जन्म तिथि/ आयु	
4.	जन्म स्थान (यदि जानकारी हो)	
5.	राष्ट्रीयता	
6.	पत्राचार का पता (टेलिफोन/ई–मेल इत्यादि सहित)	
7.	धर्म	
8.	वर्ग (अनु.जा/अनु.ज.जा/पिछड़ा वर्ग/अन्य)	
9.	व्यवसाय या कारोबार (पदनाम / धारित पद सहित)	
10.	कियाकलाप का क्षेत्र* अर्थात् कला, खेल, समाजसेवा आदि	
11.	पद्म पुरस्कार जिसके लिए नाम की सिफारिश की गई है, अर्थात् पद्म विभूषण/ पद्म भूषण/ पद्म श्री	
12.	विगत मे यदि कोई पद्म पुरस्कार दिया गया हो	
13.	प्रशस्ति पत्र	इसमें वर्णनात्मक रूप में प्रशंसा होनी चाहिए जिसमें कियाकलाप के संबंधित क्षेत्र में प्राप्त विशिष्टताओं/उपलब्धियों का उल्लेख हो।(अधिकतम 2 पृष्ठ में जिसकी शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्द होनी चाहिए)– कृपया अलग शीट संलग्न करें।

*संदर्भ के लिए क्षेत्रों की निदर्शी सूची संलग्न है।

नोटः पूर्ण रूप से भरे हुए प्रपत्र एवं प्रशस्ति पत्र ई–मेल द्वारा uspublic@mha.gov.in पर एवं डाक द्वारा मूल रूप मे प्रेषित किए जाने चाहिए।

क्षेत्रों की निदर्शी सूची

1 कला (इसमें शामिल है–म्यूजिक,पेंटिंग, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, सिनेमा, थियेटर इत्यादि)

2 समाजिक कार्य (इसमें शामिल है–समाज सेवा, धर्मार्थ सेवा, सामुदायिक परियोजनाओं इत्यादि में योगदान)

3 लोक कार्य (इसमें शामिल है–कानून, लोकजीवन, राजनीति इत्यादि)

4 विज्ञान और इंजीनियरी (इसमें शामिल है–अंतरिक्ष इंजीनियरी, नाभिकीय इंजीनियरी, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान, अनुसंधान और विकास तथा इससे संबद्ध विषय इत्यादि)

5 व्यापार और उद्योग (इसमें शामिल है–बैंकिग, आर्थिक कियाकलाप, प्रबंधन, पर्यटन संबर्द्धन, व्यवसाय इत्यादि)

6 चिकित्सा (इसमें शामिल है–चिकित्सा अनुसंधान, आयुर्वेद में विशिष्टता/विशेषज्ञता, होम्योपैथी, सिद्ध, ऐलोपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा इत्यादि)

7 साहित्य और शिक्षा (इसमें शामिल है–पत्रकारिता, अध्यापन, पुस्तक लेखन, साहित्य, कविता लेखन, शिक्षा संबर्द्धन, साक्षरता संबर्द्धन, शिक्षा सुधार इत्यादि)

8 सिविल सेवा (इसमें शामिल है–सरकारी सेवकों द्वारा प्रशासन इत्यादि मे विशिष्टता/ श्रेष्ठता)

9 खेल–कूद (इसमें शामिल है–प्रसिद्ध खेलें, ऐथलेटिक्स, साहसिक पर्वतारोहण, खेलकूद संबर्द्धन , योग इत्यादि)

10 अन्य (जो क्षेत्र उपर सम्मिलित नहीं हुई हों और उनमें भारतीय संस्कृति का प्रचार–प्रसार, मानवाधिकार संरक्षण, वन्य जीव संरक्षण/रक्षण शामिल हो सकता है।)